No. of Printed Pages : 3 **MJY–008**

ज्योतिष में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम.ए.जे.वाई.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

एम.जे.वाई.–008 : फल-विचार

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड–क

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित हैं। 3×20=60

1. कुण्डली के बारह भावों का सामान्य परिचय देते हुए उनकी विशिष्ट संज्ञाओं एवं स्थिर कारकों का सप्रमाण निरूपण कीजिए।

2. द्वादश भावगत (बारहवें भाव में स्थित) सिंहादि चार राशियों के फल का निरूपण कीजिए।

3. द्वादश भावगत (बारहवें भाव में स्थित) सूर्य एवं चन्द्रमा तथा मंगल के फल का विवेचन कीजिए।

4. तनु भाव में ग्रहों एवं लग्नेशादि सभी भावाधिपतियों के फल का विवेचन कीजिए।

5. चतुर्थ भाव में ग्रहों एवं लग्नेशादि सभी भावाधिपतियों के फल का विवेचन कीजिए।

6. पंचम भाव में मेषादि राशियों एवं सूर्यादि ग्रहों के फल का निरूपण कीजिए।

खण्ड–ख

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

$4 \times 10 = 40$

7. बारहवें भाव में मेष राशि के फल का सोदाहरण विवेचन प्रस्तुत कीजिए।

8. द्वादशभावस्थ मकर राशि के फल का सोदाहरण निरूपण कीजिए।

9. बारहवें भाव में राहु के फल का निरूपण कीजिए।

10. पंचमेश के सभी भावों में फल पर प्रकाश डालिए।

11. जैमिनी के आयुर्निर्णय की विधियों पर प्रकाश डालिए।

12. दशम भाव के ज्योतिषीय कारकों का निरूपण कीजिए।

13. द्वादश भाव से विचारणीय विषयों का विवेचन कीजिए।

14. अर्थ पुरुषार्थ के ज्योतिष से सम्बन्ध को पठित अंश के आधार पर निरूपित कीजिए।

× × × × × × ×